आज “भारत एक-भारतीय एक” का मूलमंत्र अपनाने की आवश्यक्ता है- राज्यपाल
19-3-2017

पंचकूला, 19 मार्च- हरियाणा के राज्यपाल प्रो0 कप्तान सिंह सोलंकी ने कहा कि जिस तरहं से प्रदेश ने “हरियाणा एक-हरियाणवी एक” का नारा दिया है, उसी तरह आज “भारत एक-भारतीय एक” का मूलमंत्र अपनाने की आवश्यक्ता है। इसी संदेश के साथ भारत 21वीं सदी में पूरे विश्व में अपना डंका बजवाएगा।

प्रो0 सोलंकी आज पंचकूला में चल रहे तीन दिवसीय हरियाणा साहित्य संगम के समापन अवसर पर बोल रहे थे। उन्हांेने कहा कि जब भी मैं ऐसे कार्यक्रमोें में जाता हूँ तो अध्यापक की भूमिका में होता हूँ, लेकिन आज विद्यार्थी की भूमिका में हूँ। मुझे आज बहुत सी सूचनाएं मिली हैं और प्रोत्साहन मिला है। उन्होंने कहा कि कुछ कार्यक्रमों में मन प्रसन्न होता है तो कुछ बुद्धि को अच्छे लगते हैं, लेकिन आज के कार्यक्रम में आत्मा को संतुष्टि मिली है।

राज्यपाल ने कहा कि इस साहित्य संगम में लगभग पांच हजार साहित्यकारों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम हरियाणा स्वर्ण जयंती के अवसर पर प्रदेश को नई ऊंचाइयां प्रदान करेगा। उन्हांेने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी न्यू इंडिया की बात करते हैं और उन्हांेने एक नये भारत का सपना देशवासियों के सामने रखा है। आपका यह साहित्य संगम एक नये हरियाणा की नींव रखेगा। हरियाणा साहित्य अकादमी, पंजाबी साहित्य अकादमी, उर्दू साहित्य अकादमी, संस्कृत साहित्य अकादमी और ग्रंथ अकादमी समेत विभिन्न अकादमियों ने इस दौरान जो विचार-विमर्श किया, उससे हरियाणा साहित्य को एक नई दिशा मिलेगी।

प्रो0 कप्तान सिंह सोलंकी ने कहा कि हरियाणा वेदों की जननी है, सरस्वती का उद्गम स्थल है और संतों ने यहीं बैठ कर तपस्या की तथा विश्व को ज्ञान दिया। उन्हांेने कहा कि गीता का ज्ञान भी इसी पावन धरती पर दिया गया, जो कि हर किसी को जीवन की कला सिखाती है। उन्हांेने कहा कि हरियाणा को कुश्ती के लिए जाना जाता

है, कबड्डी के लिए जाना जाता है और ओलंपिक खेलों के लिए जाना जाता है। हमारी सेना में हर दसवां सैनिक हरियाणा से है। उन्हांेने कहा कि हम स्वर्ण जयंती मना रहे हैं। हम वास्तव में प्रत्येक जन व कार्यक्रम के माध्यम से पूरे देश को यह संदेश दे रहे हैं कि हमारा हरियाणा वास्तव में सोना है। उन्होंने एक काव्यात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से कहा- जय हरियाणा की धरती, जय हरियाणा के वीर, माटी का तन-लोहे का मन और सोने की तकदीर।

उन्हांेने कहा कि इस साहित्य संगम में सब विधाओं को छूआ गया है। चित्रों के माध्यम से साहित्य का प्रदर्शन देखकर मन प्रसन्न हो जाता है। उन्हांेने खेल एवं युवा मामले विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ0 के0के0 खण्डेलवाल से मुखातिब होते हुए कहा कि यहां जो भी भाषण या कार्यक्रम हुए हैं, उनकी रिपोर्ट उन्हें दी जाए। सरकार की तरफ से पूरा सहयोग मिलेगा।

इससे पूर्व प्रबुद्ध भाषाविद् प्रो0 मोहन मैत्रेय ने अपने विचार रखे। डॉ लालचंद मंगल ने हरियाणा साहित्य अकादमी, बी0डी0 कालिया हमदम ने उर्दू, सुदर्शन गासो ने पंजाबी, प्रो0 अधिराज राजेन्द्र मिश्र ने संस्कृत तथा डॉ0 केवल कृष्ण ने ग्रंथ अकादमी की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। हरियाणा साहित्य अकादमी के पूर्व निदेशक डॉ0 चंद्र त्रिखा ने तीन दिन के कार्यक्रम की विश्लेषणात्मक रिपोर्ट पेश की, जिसमें उन्होंने राज्यपाल से मध्यप्रदेश की तर्ज पर हरियाणा में भी भारत भवन तथा लेखक सदन स्थापित करवाने की मांग भी की, जिस पर राज्यपाल प्रो0 कप्तान सिंह सोलंकी ने आश्वासन दिया कि वे सरकार तक इस मांग को पहुंचाएंगे।

कार्यक्रम की शुरूआत राज्यपाल प्रो0 कप्तान सिंह सोलंकी ने दीप प्रज्जवलित कर की। इस दौरान दी गई साहित्यिक प्रस्तुति-“शब्द संसार हमारा ऐसा बस जाएगा” तथा “हरियाणा के हर एक कण को अपने मन का मीत लिखो” ने दर्शकों का मन मोह लिया। राज्यपाल ने इस अवसर पर विभिन्न अकादमियों की कई पुस्तकों का विमोचन भी किया। इस मौके पर राज्यपाल ने 80 वर्ष से अधिक आयु के वयोवृद्ध साहित्यकारों के

साथ-साथ इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विभिन्न अधिकारियों को भी सम्मानित किया।
इस अवसर पर सांसद रतन लाल कटारिया, सहकारिता विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरा खण्डेलवाल, स्वर्ण जयंती समारोह प्राधिकरण के संयोजक राजीव शार्म, उपायुक्त गौरी पराशर जोशी, डीसीपी अनिल धवन, बीजेपी महिला विंग की उपाध्यक्ष बंतो कटारिया, सूचना, जन संपर्क एवं भाषा विभाग के अतिरिक्त निदेशक (प्रशसन) सम्वर्तक सिंह, एसडीएम जगदीप ढांडा, नगराधीश ममता शर्मा, जिला राजस्व अधिकारी सहित अन्य सभी अकादमियों के निदेशक एवं उपाध्यक्ष मौजूद थे।

पंचकूला, 19 मार्च हरियाणा देश भर के 5000 से अधिक हिन्दी, संस्कृत, उर्दू व पंजाबी भाषा के साहित्यकारों, रचनाकारों, लेखकों व समालोचक का साहित्यिक संगम का आयोजन करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है।
सूचना, जन सर्म्पक एवं भाषा विभाग के तत्वाधान में आज तीन दिवसीय महासम्मलेन के समापन अवसर पर राज्यपाल, प्रोफेसर कप्तान सिंह सोलंकी जो स्वयं एक शिक्षाविद् हैं, ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए साहित्यकारों के एक महाकुम्भ में स्वयं को एक विद्यार्थी संज्ञा दी अन्यथा वे जहां भी जाते हैं वे एक शिक्षक की भूमिका में रहते हैं।
राज्यपाल सहित कार्यक्रम में आए साहित्य जगत की सभी विभूतियों ने भव्य समारोह आयोजित करने के लिए अतिरिक्त मुख्य सचिव, डॉ0 के0के0 खण्डेलवाल तथा जिला उपायुक्त, पंचकूला श्रीमति गौरी पराशर जोशी, नगराधीश सुश्री ममता शर्मा, एस0डी0एम0, पंचकूला श्री जगदीप डाण्डा व एस0डी0एम0, कालका श्री आशुतोष राजन के प्रबन्धों की सराहना करते हुए कहा कि एक साहित्कार के रूप में देश व विदेशों में अनेकों कार्यक्रम में जाने का उन्हें प्रायः अवसर मिलता रहता है, परन्तु पंचकूला का कार्यक्रम उनके लिए अविस्मरणीय रहेगा।

हरियाणा गठन के स्वर्ण जयन्ती वर्ष के कार्यक्रमों की श्रृखंला में आयोजित यह साहित्य संगम कार्यक्रम निश्चित रूप से मुख्यमन्त्री श्री मनोहर लाल के ‘‘हरियाणा एक हरियाणवी एक’’ के मूल मन्त्र को देश के लोगों के समक्ष ‘‘भारत एक भारतीय एक’’ का सन्देश साहित्य जगत से जुड़े लोेगोें के माध्यम से देने में सफल हुआ है। इससे पूर्व भी जनवरी माह में महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक में 21 वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव का भी सफलतापूर्वक आयोजन कर देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के 5000 से अधिक छात्र-छात्राओं को प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी के माध्यम से राष्ट्रीय एकता का सन्देश देने में हरियाणा गौरवान्ति हुआ था।
तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में 80 वर्ष की आयु से अधिक उम्र के साहित्यकारों व युवा पीढ़ी के पहली बार लेखन को अपना कैरियर बनाने का अवसर तलाश रहे नवलेखकों ने हिन्दी, संस्कृत, उर्दू व पंजाबी भाषा के विभिन्न सत्रों में आयोजित चर्चा के माध्यम से हरियाणा की सामाजिक, सांस्कृतिक, अध्यात्मिक की धरा को नजदीक से देखा है और यह माना है कि हरियाणा ऐग्रीक्लचर के लिए ही नहीं जाना जाता बल्कि साहित्यिक व सांस्कृतिक दृष्टि से भी हरियाणा विश्व में अपनी पहचान रखता है। साहित्यकारों का यह महासम्मेलन निश्चित रूप से नये हरियाणा के निर्माण में अपनी अमिट छाप छोडेगा।

पंचकूला, 19 मार्च- कालका की विधायक लतिका शर्मा ने अपने तीन दिन के दौरों की शुरुआत रायतन क्षेत्र के गॉव जबरोट से की जहा जिला परिषद का चुनाव लड़ चुके नोरता राणा ने विधायक की कार्यशैली को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।
विधायक ने अपना हरोज रात्रि प्रवास भी लोगो के बिच में किया उसके उपरांत विधायक ने पहले दिन पंचायत जबरोट,कजियाना,टोरन,भवाना के लोगो की समस्याओं को सुना। पंचायत भवाना के लोगो ने विधायक लतिका का 21 मार्च को आने वाले जन्मदिन को भी उनके उनकी पंचायत पर पहुँचने पर पहले ही मनाया। दूसरे दिन

पंचायत डखरोग,खोई बगारनि,गणेशपुर भोरियाँ,मागणीवाला,फतेहपुर दीवानवाला,खरडकुआ,चिक्कन,बख्शीवाला,तीसरे दिन बुर्ज,अम्बवाला,जल्लाह,नंदपुर,मल्लाह व् वहाँ उनके कार्यकाल में करवाये गए कार्यो का ब्यौरा लोगो को दियां। विधायक ने लोगो को बताया की रायतन क्षेत्र से उन्हें चुनाव में एकतरफा वोट पढ़ी थी जिनकी वह हमेशा ऋणी रहेंगी व् रायतन क्षेत्र की समस्याओ को वह हमेशा ततपर रखती है व् समस्याओ के निदान के लिए हमेशा लगी रहती है। विधायक ने लोगो के बिच में एक अलग पहचान बना ली है। वह सबकी समस्याओ को ध्यान से सुनती है व् लोगो को उनके साथ अपना पन महसूस होता है। विधायक लतिका शर्मा जी के कार्यकाल में सड़को,पुलो,पंचायत के कामो पर करोड़ो रूपये खर्चे जा चुके है व् अभी भी काम चल रहे है। दोरो के दौरान काफी संख्या अमे लोगो ने भाजपा पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान उनके साथ जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा,पिंजौर मण्डल के प्रभारी उमेश सूद,जिला परिषद चेयरमैन रितु सिंगला, बीडीसी चेयरमैन भुवंजित,मार्केटिंग कमेटी के चेयरमैन सुच्चा राम,जिला युवा वरिष्ठ उपाध्यक्ष किशोरी शर्मा,जिला परिषद सदस्य भाग सिंह,धर्मवीर,बी डी सी मेंबर चंचल शर्मा,गुरदेव सिंह,जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा रामदयाल नेगी,जिला ओबीसी अध्यक्ष नरेश,जिला उपाध्यक्ष संजीव कौशल,मंडल अध्यक्ष सुनील धीमान,युवा मंडल अध्यक्ष सोनू,महिला मण्डल अध्यक्ष वंदना जिंदल,सभी पंचायत के सरपंच,बी डी सी मेंबर ,पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

हरियाणा
साहित्य